FOUR YEAR UNDERGRADUATE PROGRAM (2024-28)

DEPARTMENT OF SANSKRIT

COURSE CURRICULUM

PART-A: Introduction				
Program: Bachelor in Arts (Honors/Honors with Research)		Semester- VIII		
1	Course Code	SNSE-11		
2	Course Title	भारतीयदर्शन		
3	Course Type	DSE		
4	Pre-requisite (if any)	As per program		
5	Course Learning Outcomes (CLO)	भारतीय दार्शनिक तत्त्वों का सामान्य ज्ञान प्राप्त कर दार्शनिक तत्त्वों में अनुस्यूत गुढ़ार्थ बोध होगा। दार्शनिक तत्त्वों के प्रति विश्लेषणात्मक एवं तार्किक क्षमता का विकास होगा। दर्शन में विद्यमान नैतिक एवं कल्याणपरक तथ्यों से आत्मोत्कर्ष की अभिप्रेरणा प्राप्त होगी। भारतीय दर्शन में निहित उद्देश्यों एवं ज्ञान को आचरण में समाहित करने हेतु अभिप्रेरित होंगे। गीता ज्ञान रहस्य द्वारा सृष्टिकल्याणार्थ भाव विकसित होंगे।		
6	Credit Value	04 Credits	Credit = 15 Hours - learning& Observation	
7	Total Marks	Max. Marks : 100		Min. Passing Marks : 40

PART – B Content of the Course		
Total No. of Teaching-Learning Periods (01 Hr. Per periode) 60Periods (60 Hours)		
Unit	Topic (Course Contents)	No. of Periods
I	भारतीय दर्शन का सामान्य परिचय। दर्शन का अर्थ एवं महत्व नास्तिक दर्शन- चार्वाक, जैन और बौद्ध। आस्तिक दर्शन- न्याय, वैशेषिक, सांख्य, योग, मीमांसा एवं वेदांत(परिचयात्मकप्रश्न)	15
II	श्रीमद्भगवतगीता- बारहवा एवं पन्द्रहवा अध्याय व्याख्या एवं समीक्षात्मक प्रश्न	15
III	तर्कसंग्रह (आरंभ से प्रत्यक्षखंड पर्यन्त)	15

IV	तर्कसंग्रह (अनुमान से समाप्ति पर्यन्त)	15
Keywords	दर्शन,श्रीमद्भगवतगीता,तर्कसंग्रह, भक्तियोग, पुरुषोत्तमयोग, प्रमेय, प्रमा, इत्यादि।	

Signature of Convener & Members(CBoS) :

PART – C : Learning Resources

Text Books and Others

Text Books Recommended –

श्रीमद्भगवद्गीता, (सम्पा०) गजानन शंभूसाधले शास्त्री, परिमल पब्लिकेशन, दिल्ली, 1985

श्रीमद्भगवद्गीता, हरिकृष्ण दास गोयन्दका, गीताप्रेस, गोरखपुर, 2009

तर्कसंग्रह, अन्नम्भट्ट, (व्या०) चंद्रशेखर द्विवेदी, महालक्ष्मी प्रकाशन, आगरा

तर्कसंग्रह, अन्नम्भट्ट (व्या०) केदारनाथ त्रिपाठी, चौखंबा प्रकाशन, वाराणसी

भारतीय दर्शन की भूमिका, रामानंद तिवारी, भारती मंदिर, भरतपुर, 1958

भारतीय दर्शन, जगदीशचंद्र मिश्र, चौखंबा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी, 2010

भारतीय दर्शन, आलोचन और अनुशीलन, चंद्रधर शर्मा, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, 2004

भारतीय दर्शन का इतिहास, एस. एन. दासगुप्ता (अनु) कलानाथ शास्त्री एवं सुधीर कुमार (पांच) भागोंमें), राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी, जयपुर, 1969-1989

भारतीय दर्शन, एस. राधाकृष्णन, (अनु०) नंदकिशोर गोभिल, राजपाल एंड संस, दिल्ली, 1989

भारतीय दर्शन की रूपरेखा, एम. हिरियन्ना, (अनु०) गोवर्धन भट्ट मंजूगुप्त एवं सुखबीर चौधरी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली 1965

e- Resources/ e-books and e-learning portals

e- Resources/ e-books and e-learning portals

PART – D: Assessment and Evaluation

Suggested Continuous Evaluation Methods :

Maximum Marks :	100 Marks
Continuous Internal Assessment (CIA) :	30 Marks
End Semester Exam (ESE) :	70 Marks

Continuous Internal Assessment (CIA): (By Course Teacher)	Internal Test /Quiz-(2) :20 & 20 Assignment / Seminar - 10 Total Marks - 30	Better marks out of the two Test / Quiz +obtained marks in Assignment shall be considered against 30marks
End Semester Exam (ESE) :	Two section – A & B Section A :Q1 Objective-10 × 1=10 Marks Q2 Short answer type-5 × 4=20Marks Section B : Descriptive answer type qts. 1out of 2 from each unit-4 × 10=40 Marks	

Signature of Convener & Members(CBoS) :